राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष आदिवासियों ने पारंपरिक वेशभूषा में प्रसिद्ध लोकनृत्य का किया प्रदर्शन

रायपुर । आरएनएस

भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु को अपने बीच पाकर छत्तीसगढ़ के लोग हमेशा गौरवान्वित होते हैं, विशेष रूप से यहां के जनजातीय समाज स्वयं को बहुत प्रतिष्ठित महसूस कर रहा है। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में आयोजित सरगुजा प्रखण्ड के लोकार्पण और महतारी वंदन की 9 वीं किस्त की राशि के अंतरण के अवसर पर छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के लोग अपनी जीवन-पद्धति, खान-पान, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, लोकवाद्यों, कलाओं रीति-रिवाजों, तीज-त्यौहारों, अस्थाओं

और अन्य आदिम परंपराओं को सहेज कर रखा है। नर्तक दलों ने अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। जनजातीय समाज का कल्याण करने सरकार प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने बीच पाकर हमारे छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपनी पहचान नृत्य के माध्यम में प्रस्तुत की। जिला सरगुजा, विकासखण्ड मैनपाट के ग्रमा डांगबुड़ा के नर्तक दल ने सरगुजा संभाग के आदिवासियों के प्रसिद्ध लोकनृत्य करमा का पुरूष पारंपरिक वेशभूषा में धोती, कुर्ता, पगड़ी, मयूरपंख सहित और महिलाएं साड़ी- ब्लाउज के साथ पैर में घुंघरू पहनकर मांदर और झांझ बजाते हुए नृत्य का प्रदर्शन किए। करमा नृत्य लगभग हर खुशी के अवसर पर किया जाता है।

इसी प्रकार दंतेवाडा जिला के विपकासखण्ड गीदम के ग्राम जोड़तराई के नर्तकदल ने गौर नृत्य कर पारंपरिक बस्तर के विभिन्न त्यौहारों के जैसे- अमुस तिहार, नवाखाई आमा पण्डुम, शादी-विवाह आदि में महिलाओं और पुरूषों के द्वारा मिलकर सामुहिक रूप से पारंपरिक तरीके से नृत्य का प्रदर्शन किए।

जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के ग्राम टाटीडांड के नर्तकों ने करमा अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि करमा दशहरा के चार दिन बाद गाड़ते हैं, शाम को करम डगाल काटकर गाड़तें हैं और रातभर करमा नृत्य करते हैं । यही राजी करमा के नाम से भी जाना जाता है। इस करमा को बड़े घुमघाम से मनाया जाता है। इसी प्राकर दीपावली करमा दीपावली के दिन शाम को करम पेड से डगाल काटकर गाडते हैं और और रातभर करमा नृत्य करते हुए सुबह विसर्जन करते हैं। इस करमा में गोवर्धन पूजा, लक्ष्मी पूजा भी करते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, प्रमुख सचिव आदिम जाति एवं कल्याण विभाग सोनमणि बोरा एवं प्रमुख सचिव संस्कृति अन्बलगन पी., मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानन्द, आयुक्त आदिवासी विकास नरेंद्र दुग्गा, संचालक पुरातत्व एवं संस्कृति विवेक आचार्य भी उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण एवं खास

दीपका खदान में डीजल चोरी: पकड़े गए तीन मेंटनेंस स्टॉफ

कोरबा (आरएनएस)। एसईसीएल दीपका खदान में बड़े मशीनरी के मेंटेनेंस करने वाले निजी कंपनी के तीन कर्मचारियों को डीजल चोरी के आरोप में पकड़ा गया है। इन कर्मचारियों ने मशीनरी के मेंटेनेंस के दौरान 110 लीटर डीजल चोरी किया था. पकड़े गए कर्मचारियों के नाम जय प्रकाश, संजय कुमार और सुमीत कुमार हैं। ये तीनों निजी कंपनी के मेंटनेंस स्टॉफ के सदस्य है एसईसीएल सुरक्षा निरीक्षक मोहम्मद असलम ने बताया कि सीआईएसएफ कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि दीपका वर्कशाप में खड़े डंफर क्रमांक 1866 में वाहन पर कार्यरत मेंटनेंस स्टाफ द्वारा डीजल चोरी की जा रही है.मौके पर पहुंचकर सीआईएसएफ ने 5 जरीकेन में 110 लीटर डीजल और तीन व्यक्तियों को पकड़ लिया. इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया और डीजल फिलींग टीम को बुलाकर डम्पर क्रमांक 1866 की जांच की गई.जांच में पता चला कि डम्पर में 110 लीटर डीजल कम है. इसके बाद तीनों व्यक्तियों को थाने ले जाया गया.यह पहला मामला नहीं है जब निजी कंपनी के मेंटनेंस स्टॉफ द्वारा डीजल चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है. इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं. इस मामले में एसईसीएल सुरक्षा विभाग ने निजी कंपनी का नाम दर्ज नहीं किया है, लेकिन जांच जारी है.

डेयरी उत्पाद फैक्ट्री पर खाद्य एवं औषधी प्रशासन विभाग की दबिश

महासमुंद-रायपुर (आरएनएस)। दीपावली के अवसर पर दूध और दूध उत्पादों में मिलावट की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त कार्रवाई की है. गाया ब्रांड नाम से दूध और उसके उत्पाद बेचने वाली वामा डेयरी की तुमगांव स्थित फैक्ट्री में राज्य स्तरीय उडऩदस्ता टीम ने छापामार कार्रवाई की है। इस दौरान खाद्य और औषधि प्रशासन की राज्य स्तरीय टीम और महासमुंद जिला अधिकारियों की कुल 6 सदस्यीय टीम ने फैक्ट्री में पनीर और पेड़ा मिठाई के सैंपल लिए. जांच के लिए ये सैंपल अब प्रयोगशाला भेजे गए हैं. खाद्य विभाग का यह कदम त्योहारी सीजन में मिलावट की रोकथाम के लिए उठाया गया है, क्योंकि दीपावली पर मिठाई और दूध उत्पादों की खपत में तेजी से वृद्धि होती है और मिलावट की शिकायतें सामने आ रही हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त नीतेश मिश्रा ने कहा कि छोटे विक्रेताओं की मांग थी कि मिलावट के मामलों को रोकने के लिए सीधे फैक्ट्रियों के उत्पादन स्थलों से सैंपल लेकर जांच की जाए। इसी क्रम में वामा डेयरी जैसे बड़े उद्योगों पर छापेमारी की गई. उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय उडऩदस्ता टीम की इस कार्रवाई का उद्देश्य त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

निगम-मंडल और स्वशासी संस्थाओं को मिलने वाली अतिरिक्त सुविधाओं पर लगी रोक, वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर (आरएनएस)। वित्त विभाग ने तमाम मंडल, निगम और स्वशासी संस्थाओं को आदेश जारी किया गया है, जिसमें शासन के सहमति के बिना दी जा रही अन्य सुविधाओं पर तत्काल रोक लगाएं, साथ ही समीक्षा कर विभाग को जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया है. जारी आदेश में कहा गया है कि बिना शासन की अनुमति के निगम, मंडल और स्वशासी के कर्मचारियों को मिलने वाली अतिरिक्त सुविधाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए. कर्मचारियों को वेतन भत्ते समेत अन्य सुविधाएं राज्य शासन की ओर से दी जा रही है. राज्य शासन के अनुमति के बिना कोई भी अतिरिक्त सुविधाएं न दें.

जशपुर जिले में 24 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को मिला योगाभ्यास का लाभ

जशपुर । आरएनएस

जिला प्रशासन द्वारा जशपुर जिले में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम परियोजना के तहत छत्तीसगढ़ योग आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, यूनिसेफ एवं जिला प्रशासन जशपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय योग मित्रों, प्रशिक्षकों की समीक्षा बैठक व जशपुर मंगल भवन में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। योग मित्रों (प्रशिक्षको) की समीक्षा बैठक व प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें जशपुर जिले में संचालित 50 हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटरो के योग मित्रों को प्रशिक्षण तथा समीक्षा भी किया गया। योग मित्रों

ने अपने अपने हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटरो में गर्भवती महिलाओं को उनके तिमाही अनुसार से योगाभ्यास कराते हैं तथा गर्भवती महिलाओं के घरों में भी जाकर गर्भवती महिलाओं को योगाभ्यास कराते है तथा योग मित्रों ने आंगनबाड़ी केन्द्रो स्कूलों टिकाकरण में सहयोग किया जा रहा है। बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को योगाभ्यास कराते है। जिला प्रशासन के अंतर्गत संचालित परियोजना जशपुर जिले में चलते हुए 17 माह पूर्ण हो गया है। 17 माह में इस परियोजना से बहुत ही अच्छा परिणाम सामने आया है। इस परियोजना के तहत अभी तक कुल 24380 गर्भवती महिलाओं को पंजीकृत कर योगाभ्यास का लाभ दिया जा चुका है तथा 4704 गर्भवती महिलाएं पंजीकृत है। इस परियोजना को जिला योग समन्वयक अशोक कुमार यादव जी के द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग किया जाता है। तथा योग प्रशिक्षकों को जिला योग समन्वयक द्वारा बराबर मार्गदर्शन भी मिलते रहता है। तथा समय-समय पर सभी योग मित्रों को छत्तीसगढ़ योग आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, यूनिसेफ एवं जिला प्रशासन जशपुर द्वारा समीक्षा बैठक व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस प्रशिक्षण व समीक्षा बैठक का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकार डॉ.जी. एस. जात्रा, डीपीएम गनपत कुमार नायक, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक तिलकेश प्रसाद भावे, यूनिसेफ से डॉ. इंपना बीलगी, आई.आई.टी. बाम्बे से संदीप घुसले, छत्तीसगढ़ योग आयोग रायपुर से रविकांत कुम्भकार (परिवीक्षा अधिकारी), राज्य परियोजना समन्वयक ज्योति साहू, योग प्रशिक्षक रश्मी पटेल, तथा जिला योग समन्वयक अशोक कुमार यादव ने विशेष रूप से उपस्थित थे तथा कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न किया गया।

रेलवे पटरी बिछाने के दौरान धंसी मिट्टी, एक की मौत

कोरबा-रायपुर । आरएनएस

रेलवे लाइन निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से एक मजदूर की मौत हो गई वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के गेवरा में हुआ है। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक का नाम 26 वर्षीय विशाल नायक जबकि घायल युवक का नाम 30 वर्षीय दशरथ नायक है। दोनों झारखंड के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि दोनों गेवरा में एबी कोल स्टॉक के पास रेलवे साइडिंग में ड्रेनेज का काम कर रहे थे तभी अचानक मिट्टी धंसने लगी। मिट्टी धसकने से दोनों मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। दोनों को इलाज के लिए विभागीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने विशाल नायक को मृत घोषित कर दिया वहीं दूसरा युवक दशरथ नायक गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आईबी अफसर के घर से 4.50 लाख की चोरी

रायपुर । आरएनएस

सेंट्रल इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी के घर में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। यह घटना हाई प्रोफाइल कॉलोनी वॉलफोर्ट पैराडाइज में हुई, जहां चोरों ने अधिकारी के घर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि आईबी अधिकारी अपने परिवार के साथ दिल्ली अपने मूल निवास गए हुए थे, जिसके कारण उनका घर खाली था। चोरों ने घर में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपए की नगदी समेत कुल 4 लाख 50 हजार रुपए का सामान पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी मिलने के बाद, मुजगहन थाना क्षेत्र की पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही, फोरेंसिक और क्राइम ब्रांच की टीम भी मौके पर पहुंच गई है, ताकि सबूत इक_ा कर सके और चोरों को जल्द से जल्द पकड़ सकें। सेंट्रल इंटेलिजेंस ब्यूरो में पदस्थ प्रवीण कुमार सिवान का कांदुल रोड के वॉलफोर्ट पैराडाइज में घर है। 19 अक्टूबर को प्रवीण अपने परिवार के साथ मूल निवास दिल्ली गए थे। 23 अक्टूबर को पड़ोसी रामकिशोर प्रजापति ने प्रवीण को बताया कि उनके घर का ताला टूटा है। इसके बाद इसी दिन रात को प्रवीण दिल्ली से रायपुर पहुंचे। घर के अंदर जाकर देखा तो प्रवीण को लॉकर से डायमंड लगा सोने का ब्रेसलेट, दो सोने के कंगन, तीन सोने की चेन, चांदी की पायल, चांदी के कीमती सामान और 50 हजार नगदी के साथ सीसीटीवी का डीवीआर आदि ले गए। चोरी के सामान की कीमत 4 लाख 50 हजार रुपए है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खड़ी गाड़ी में लगी आग

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक खड़ी गाड़ी में शनिवार को अचानक आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफ रा-तफ री मच गई। वहीं सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने का कारण पता नही चल पाया है। वहीं इस घटना पर स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में कई खराब वाहन पड़े हुए हैं, जो असामाजिक तत्वों के नशाखोरी के अड्डे बन चुके हैं। ऐसे में कार में लगी आग के पीछे असामाजिक तत्वों के होने की भी आशंका जताई जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

दुर्ग । आरएनएस

जिले के भिलाई हुडको क्षेत्र में शनिवार तडक़े एक सूने मकान में लाखों रूपयों की चोरी का मामला सामने आया है। सीसीटीव्ही में चोरी का पूरा नजारा दर्ज हो गया है। जिसमें दिख रहा है कि कैसे दो चोर एक मकान में घूसे और ऊपरी माले में रह रहे किरायदारों का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद नीचे के मकान में घुसकर लाखों की चोरी की और फरार हो गए। फिल्हाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मामला भिलाई नगर के वार्ड 70 के रहने वाले प्रसाद राव अपने घर पर ताला लगाकर परिवार सहित हैदराबाद गये हुए है। उनके घर पर शनिवार तडक़े दो चोर घूसे तथा सबसे पहले मकान के उपरी माले में रह रहे किरायेदारों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिये उसके बाद नीचे उतरे और मेन डोर का सेंट्रल लॉक तोडक़र अंदर घुसे। उसके बाद उन्होंने एक एक करके सभी कमरों के तालों को तोड़ा और अंदर रखी आलमारी को तोडक़र उसके रखे लाखों रुपए नगदी और कीमती सामान चोरी कर ले गए हैं। घर के अंदर से क्या-क्या और कितनी कीमत का चोरी हुआ है ये मकान मालिक के हैदराबाद से लौटने पर पता चलेगा। मामले की सूचना मिलते ही भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की पकडक़ के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। बताया जाता है कि पड़ोस में रहने वाली महिला ने फूल तोडऩे उठी तो उसने दोनों चोरो को देखा और चीखने लगी जिससे दोनों आरोपी वहां से भाग खड़े हुए। हालांकि यह सारा माजरा सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो चुका है। पुलिस के अनुसार बहुत जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विभिन्न छोटी-बड़ी नदियों से अवैध रेत उत्खनन जारी

दल्लीराजहरा । आरएनएस

इन दिनों डौंडी ब्लॉक के विभिन्न छोटी-बड़ी नदियों से रेत का अवैध उत्खनन जारी है। जानकारी मिली है कि डौंडी ब्लॉक के बेलोदा में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन से नदी और जल स्रोतों का क्षरण हो रहा है।

अवैध रेत उत्खनन से नदियों की धारा प्रभावित होती है, जिससे नदी के किनारे कटाव होते हैं और जल का स्तर घट जाता है। यह जल संचयन और भूजल पुनर्भरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। पारिस्थितिक संतुलन में गड़बड़ी: रेत उत्खनन से जल जीवों और वन्य जीवन के लिए खतरे उत्पन्न होते हैं, क्योंकि यह उनके प्राकृतिक आवास को नष्ट कर देता है। इससे जैव विविधता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। भूमि कटाव और बाढ़ का खतरा-: रेत निकालने से तटीय क्षेत्रों और नदी किनारे की मिट्टी कमजोर हो जाती है, जिससे कटाव बढ़ता है और बाढ़ का खतरा भी अधिक हो जाता है बेलोदा क्षेत्र की सडक़ अभी से खराब होने लगी है

बेलोदा क्षेत्र के आसपास की कृषि भूमि को नुकसान: रेत उत्खनन के कारण कृषि भूमि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि नदियों से निकली रेत का उपयोग मृदा की उर्वरता बनाए रखने में होता है। अवैध गतिविधियों में वृद्धि: अवैध रेत उत्खनन से अपराधों में वृद्धि होती है, जिसमें भ्रष्टाचार, अवैध व्यापार और हिंसक गतिविधियाँ शामिल होती हैं पूर्व में भी हिंसक घटनाएं हुई है भाजपा कांग्रेस के लोगों के बीच विवाद हुआ है और अब भाजपा के नेता इस कार्य में शामिल हैं,, कुछ गुंडागर्दी करने लगे हैं और क्षेत्र में मारपीट भी करने लगे हैं। ग्रामीण और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका पर भी इसका प्रभाव पड़ता है, क्योंकि नदी या तटीय क्षेत्रों का क्षरण उनकी कृषि, मत्स्य पालन और पर्यावरण पर आधारित जीवनशैली को प्रभावित करता है। सडक़ और परिवहन को नुकसान: रेत के अवैध परिवहन में भारी वाहनों का उपयोग होता है, जिससे सडक़ों की स्थिति बिगड़ती है और सडक़ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। इन नुकसानों से बचने के लिए कड़े कानूनों और नियमों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी जरूरी है, ताकि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को नियंत्रित किया जा सके। परंतु बालोद जिला प्रशासन कुंभकरणीय नींद में सोया हुआ है

बेलोदा में अवैध उत्खनन परिवहन को रोकने के लिए जिला खनिज विभाग के अधिकारी लोग किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहे हैं विभिन्न स्थानों से रिटन का अवैध उत्खनन तो हो रहा है । वहीं डौंडी ब्लॉक के विभिन्न गांव से मुरूम का भी अवैध उत्खनन होने की शिकायत मिल रही है इसके बारे में प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया था लेकिन अवैध उत्खनन कार्य आज भी बदस्तूर जारी है।

विद्यालय में अव्यवस्था : मासूम छात्रा को पिकअप ने अपनी चपेट में लेते हुए पैरों को कुचला

कोरबा । आरएनएस

जिले के कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र में एक ऐसा स्कूल संचालित हो रहा है जहां न तो शौचालय की व्यवस्था है और न ही मूत्रालय की। विद्यालय के बच्चे लघु शंका के लिए सडक पर आते हैं। इतना ही नहीं विद्यालय की कक्षाएं एक धर्मशाला में लगती है। विद्यालय में व्याप्त अव्यवस्था की ओर अभिभावकों ने कई बार विद्यालय प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट करवाया लेकिन प्रबंधन द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया जिसका खामियाजा यहां की एक मासूम छात्रा को भुगतनी पड़ी है।

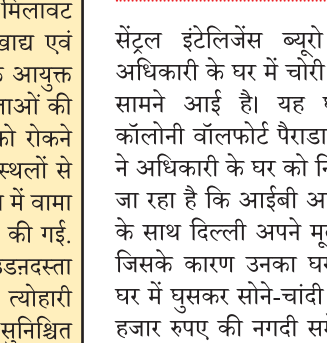

लघु शंका के लिए सडक के पास आई इस मासूम छात्रा को तेज रफ्तार पिकअप ने अपनी चपेट में लेते हुए पैरों को बुरी तरह कुचल दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां उपचार जारी है। इस घटना का अहम पहलू यह है कि दुर्घटना के बाद दुर्घटनाकारित वाहन के मालिक ने छात्रा के परिजनों को यह कहा था कि घटना की जानकारी पुलिस अथवा मीडिया को नहीं पहुंचने दें, घायल छात्रा का उपचार उनके द्वारा कराया जाएगा। लेकिन अब वह छात्रा की उपचार की दिशा में आनाकानी कर रहा है। उल्टा छात्रा के परिजनों को धमकी भी दे रहा है।

जानकारी के अनुसार कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 जुराली में शिशु मंदिर एक धर्मशाला में संचालित हो रहा है जहां पांचवीं तक की कक्षाएं लगती है। इस स्कूल में विद्यालय प्रबंधन द्वारा न तो शौचालय की व्यवस्था की गई है और न ही मूत्रालय बनवाया गया है। फलस्वरूप विद्यालय के बच्चे लघु शंका व दिशा मैदान के लिए सडक के पास आते हैं जिससे बच्चों के दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इस दिशा में विद्यालय में अध्यनरत बच्चों के अभिभावकों द्वारा कई बार विद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ संचालक व शिक्षकों का ध्यान आकृष्ट करवाया गया लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। विद्यालय परिसर में मूत्रालय की व्यवस्था नहीं होने के कारण कक्षा केजी-1 की छात्रा रूचिका पटेल पिता रमेश पटेल लघु शंका करने के लिए सडक के पास गई थी तभी वहां तेज व अनियंत्रित रफ्तार से आ रही पिकअप ने मासूम को चपेट में लेते हुए उसके दोनों पैरों कों कुचल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा में भर्ती कराया गया। दुर्घटना व वाहन मालिक राजेंद्र ने बच्ची का उपचार अपनी ओर से कराने की बात कही थी लेकिन अब वह इसमें आनाकानी कर रहा है। जिससे उपचार का सारा भार परिजनों पर आ गया है। इतना ही नहीं वाहन मालिक अब छात्रा के परिजनों को धमकी भी दे रहा है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU